

डीआरडीओ समाचार



डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

<https://www.drdo.gov.in/samachar>

ISSN: 0971-4405

अक्टूबर 2024 खण्ड 36 अंक 10

अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विमानन एक्सपोज़े तरंग शक्ति 2024 में डीआरडीओ की भागीदारी



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव

सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण

संपादक: दीप्ति अरोरा

सहायक संपादक: धर्म वीर

अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का ३६वां वर्ष

अक्टूबर 2024 खण्ड 36 अंक 10

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चंदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैक्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्रीमती साइमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोश कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	श्री सुनील भण्डारी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



इस अंक में

मुख्य लेख	4
परीक्षण	5
नवोन्मेष	9
हस्तांतरण	11
अवसंरचना विकास	12
घटनाक्रम	13
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	19
राजभाषा क्रियाकलाप	29
सामाजिक क्रियाकलाप	30
खेलकूद गतिविधियाँ	32
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	33

वर्तमान अंक, *DRDO Newsletter*, Vol 44, Issue 10, October 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विमानन एक्सपो तरंग शक्ति 2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

12 सितंबर, 2024 को माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने तरंग शक्ति 2024 के साथ ही जोधपुर वायु सेना स्टेशन पर अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विमानन एक्सपो (IDAX) का उद्घाटन किया। जोधपुर वायु सेना स्टेशन पर आयोजित तरंग शक्ति 2024 अभ्यास भारत के सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यासों में से एक है। इस मेगा आयोजन में आठ देशों, अर्थात् भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, श्रीलंका, यूएई, और ग्रीस ने भाग लिया। इस आयोजन के दौरान, भाग लेने वाली सेनाओं के बीच अंतर-संचालन में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वायु से वायु और वायु से भूमि विभिन्न ऑपरेशन शामिल किए गए।

इस कार्यक्रम में भारत की स्वदेशी रक्षा प्रगति पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की मजबूत उपस्थिति थी, जिसका नेतृत्व डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने किया।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाएँ जैसे कि वैमानिक विकास अभिकरण (एडीए), वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), हवाई डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई), वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केन्द्र (कैसडिक), रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डीबेल), रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डीएलजे), रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला



(डीएमआरएल), रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों का प्रदर्शन किया। नोडल

प्रयोगशाला के रूप में डीएलजे ने सार्वजनिक इंटरफेस निदेशालय (डीपीआई) के साथ मिलकर डीआरडीओ पैवेलियन का समन्वय और आयोजन किया। इस प्रदर्शनी ने सहयोग को बढ़ावा देने, सह-उत्पादन और निर्यात के अवसरों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया



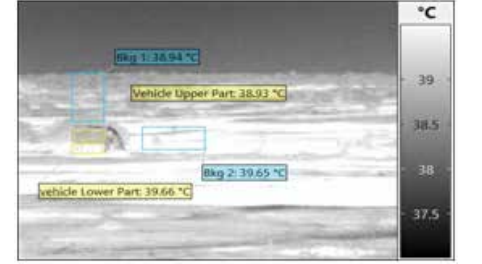
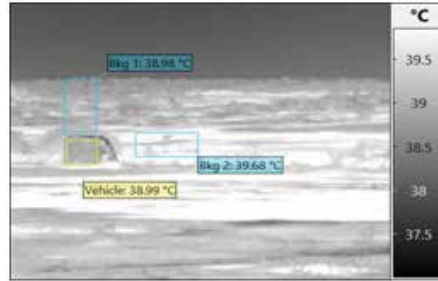
GV के लिए अनुकूली दृश्य एवं तापीय ऐड-ऑन प्रणाली और बहु-स्पेक्ट्रल स्टिकर का क्षेत्र मूल्यांकन

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे), ने गतिशील पृष्ठभूमि में सैन्य वस्तुओं को छिपाने के लिए अनुकूली दृश्य एवं तापीय छद्मावरण और बहु-स्पेक्ट्रल छद्मावरण स्टिकर के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है, जो वाहन को पर्यावरण के रंग/तापीय पैटर्न के अनुरूप बनाने के लिए गतिशील पृष्ठभूमि में सैन्य वस्तुओं को छिपाने के लिए दृश्य रंग/तापीय पैटर्न को गतिशील रूप से उत्पन्न करती है, जिससे वस्तु पृष्ठभूमि में विलीन हो जाती है और इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है। दृश्य और तापीय अनुकूली प्रणाली के कार्यात्मक प्रोटोटाइप विकसित किए गए, उनका परीक्षण किया गया, और 10-15 जुलाई 2024 के दौरान जैसलमेर में प्रयोगशाला वातावरण और फील्ड क्षेत्र में एमएफईएल वाहन पर उनकी कार्यक्षमता के लिए उनका प्रदर्शन किया गया। प्रणालियों का परीक्षण विभिन्न पृष्ठभूमि विशेषताओं के विरुद्ध वास्तविक क्षेत्र परिदृश्य में किया गया है, ताकि वे ऐड-ऑन सक्रिय पिक्सल द्वारा प्रदर्शित रंग और थर्मल पैटर्न के संदर्भ में पृष्ठभूमि को अनुकूलित करने की क्षमता का परीक्षण कर सकें।

पृष्ठभूमि परिदृश्य में परिवर्तन के दौरान पृष्ठभूमि विशेषताओं को अनुकूलित करने में प्रणाली संतोषजनक रूप से काम करते पायी गयी। मल्टी-स्पेक्ट्रल कैमोप्लेज स्टिकर को पांच सैन्य रंगों में विकसित किया गया और जैसलमेर के मैदानी क्षेत्र में टी-90 टैंक पर इसका मूल्यांकन किया गया। ये विजुअल-एनआईआर-टीआईआर सेंसर के खिलाफ पहचान दूरी को कम करने में प्रभावी पाए गए।



फील्ड क्षेत्र में अनुकूली दृश्य ऐड-ऑन के साथ पृष्ठभूमि मिलान और छद्मावरण प्रभावशीलता



फील्ड क्षेत्र में अनुकूलनीय थर्मल ऐड-ऑन के साथ पृष्ठभूमि मिलान और छद्मावरण प्रभावशीलता



बहु-स्पेक्ट्रल छद्मावरण स्टिकर्स (रंग और एफसीसी छवि) का क्षेत्र मूल्यांकन

डीवाईएसएल ने सुपरकंडक्टिंग सर्किट तकनीक पर आधारित 6-क्यूबिट क्वांटम प्रोसेसर का एंड-टू-एंड परीक्षण पूरा किया

पुणे में डीआरडीओ युवा वैज्ञानिक प्रयोगशाला (डीवाईएसएल-क्यूटी) और मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) के वैज्ञानिकों ने सुपरकंडक्टिंग सर्किट तकनीक पर आधारित 6-क्यूबिट क्वांटम प्रोसेसर का परीक्षण पूर्ण किया है। डीवाईएसएल-क्यूटी की देखरेख करने वाली शीर्ष समिति ने इस प्रदर्शन को देखा। इसमें क्लाउड-आधारित इंटरफेस के माध्यम से क्वांटम सर्किट प्रस्तुत करना, क्वांटम हार्डवेयर पर प्रोग्राम निष्पादित करना, और गणना किए गए परिणामों के साथ क्लाउड इंटरफेस को अपडेट करना शामिल था।

डीवाईएसएल-क्यूटी, TIFR, और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) इस

परियोजना पर टीआईएफआर मुंबई के कोलाबा परिसर में एक साथ काम कर रहे हैं। डीवाईएसएल-क्यूटी के वैज्ञानिकों ने घरेलू ऑफ-द-शेल्फ इलेक्ट्रॉनिक्स और कस्टम-प्रोग्राम किए गए विकासशील बोर्डों के संयोजन का उपयोग करके नियंत्रण एवं माप उपकरणों को एक साथ रखा। TIFR ने क्यूबिट्स को डिजाइन और विकसित किया, तथा क्वांटम प्रोसेसर आर्किटेक्चर जो एक अद्वितीय रिंग-रेजोनर डिजाइन पर निर्भर करता है का आविष्कार उन्होंने किया। TCS ने क्वांटम हार्डवेयर के लिए क्लाउड-आधारित इंटरफेस विकसित किया।

वैज्ञानिक अब संचालन के लिए तैयार होने से पहले सिस्टम के प्रदर्शन के

विभिन्न पहलुओं को अनुकूलित करने पर काम कर रहे हैं। शिक्षा, अनुसंधान, और अंततः विश्लेषण के लिए सुपरकंडक्टिंग क्वांटम उपकरणों के परीक्षण के लिए एक परीक्षण स्थल के रूप में इस प्रणाली तक व्यापक पहुँच प्रदान करने की योजनाएँ चल रही हैं। अगला विकास लक्ष्य क्यूबिट्स की संख्या को बढ़ाना और प्रौद्योगिकी चुनौतियों, विकास प्रयास/समय, और विभिन्न आकारों के क्वांटम कंप्यूटरों के विकास, संचालन और व्यावसायीकरण के लिए आवश्यक मौद्रिक संसाधनों के संबंध में स्केलिंग रुझानों का आकलन करना है। इसमें क्वांटम सिद्धांत से लेकर इंजीनियरिंग और व्यावसायिक व्यवहार्यता तक एक समग्र दृष्टिकोण शामिल होगा।

डीआरडीओ ने भारतीय हल्के टैंक-जोरावर के विकासात्मक फील्ड फायरिंग परीक्षणों के पहले चरण का सफलतापूर्वक संचालन किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), ने 13 सितंबर 2024 को भारतीय हल्के टैंक, जोरावर के प्रारंभिक ऑटोमोटिव परीक्षणों का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनाती में सक्षम एक अत्यधिक बहुमुखी टैंक है। रेगिस्तानी इलाकों में किए गए फील्ड परीक्षणों के दौरान, टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया तथा सभी इच्छित उद्देश्यों को कुशलतापूर्वक पूरा किया।

प्रारंभिक चरण में, टैंक के फायरिंग



प्रदर्शन का दृढ़ता से मूल्यांकन किया गया, और इसने निर्धारित लक्ष्यों पर आवश्यक सटीकता हासिल की। संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), चेन्नई, ने लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के सहयोग से जोरावर को सफलतापूर्वक विकसित किया है। सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई)

सहित कई भारतीय उद्योगों ने देश के भीतर स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं की ताकत को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न उप-प्रणालियों के विकास में योगदान दिया। माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जोरावर के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना, और सभी संबद्ध उद्योग भागीदारों

की प्रशंसा की। उन्होंने इस उपलब्धि को महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों में भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने भी परियोजना में शामिल पूरी टीम को बधाई दी।

डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने VL-SR सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

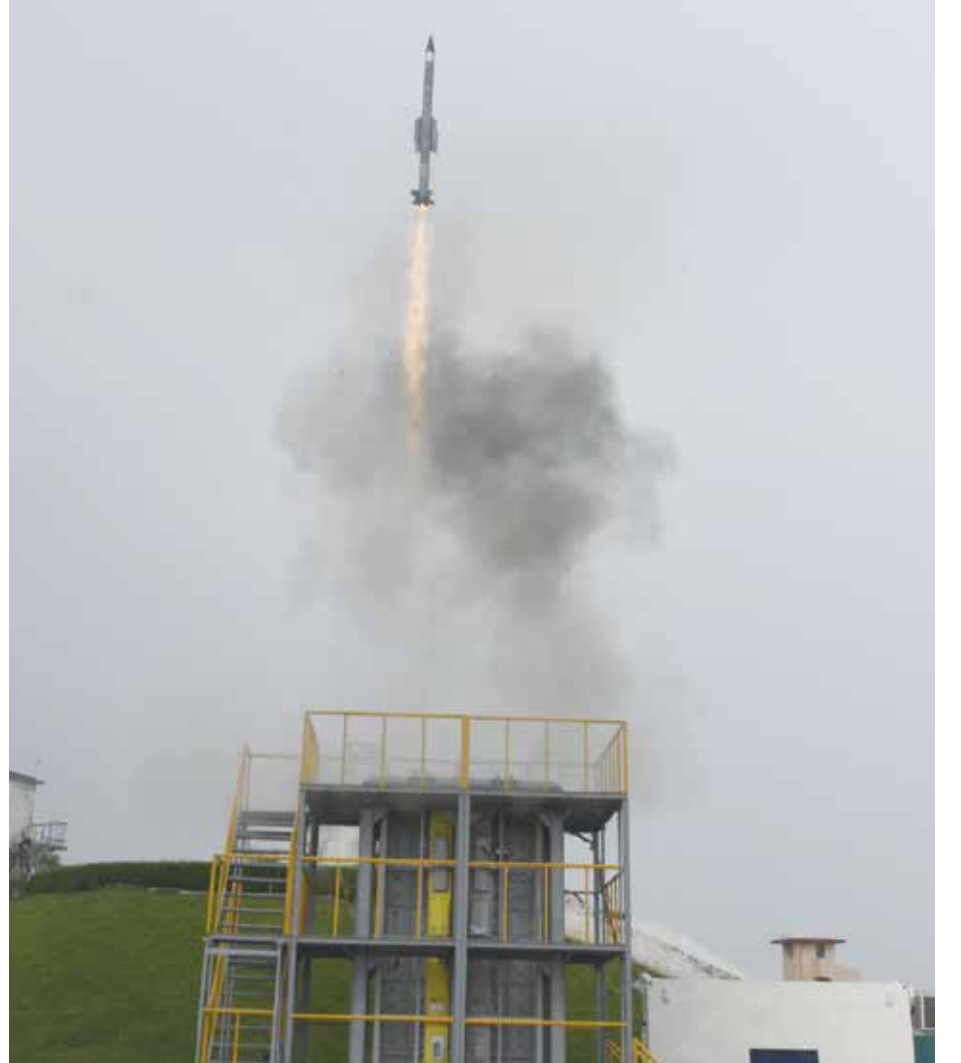
डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने 12 सितंबर 2024 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल (VL-SRSAM) का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।

सतह आधारित वर्टिकल लॉन्चर ने एक कम ऊंचाई और उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को निशाना बना कर उड़ान परीक्षण किया। मिसाइल प्रणाली ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक ट्रैक किया और उस पर हमला किया।

इस परीक्षण का उद्देश्य प्रॉक्सिमिटी फ्यूज और सीकर सहित हथियार प्रणाली के कई अद्यतन तत्वों को मान्य करना था। आईटीआर, चांदीपुर, में तैनात रडार इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे विभिन्न उपकरणों द्वारा सिस्टम के प्रदर्शन को सावधानीपूर्वक ट्रैक किया गया और पुष्टि की गई।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और भारतीय नौसेना की टीमों को उनकी उपलब्धि के लिए सराहा और कहा कि यह परीक्षण VL-SRSAM हथियार प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता की पुष्टि करता है।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी



आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने भी शामिल टीमों को बधाई दी, और जोर देकर कहा कि यह प्रणाली

भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगी और एक बल गुणक के रूप में काम करेगी।

डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने VL-SR सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के दूसरे उड़ान परीक्षण में लगातार सफलता हासिल की

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल (VL-SRSAM) के लगातार दूसरे सफल उड़ान परीक्षण किए। 13 सितंबर, 2024 को, ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र (आईटीआर) ने लगातार दूसरा परीक्षण किया।

मिसाइल ने बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हुए और एक समुद्री-स्किमिंग खतरे का अनुकरण करने वाले एक उच्च गति के हवाई लक्ष्य को रोका, और लक्ष्यों को निष्प्रभावी करने की अपनी सटीकता और क्षमता का प्रदर्शन किया। यह 12 सितंबर, 2024 को हुए पहले परीक्षण के बाद हुआ, जब VL-SRSAM मिसाइल ने एक अन्य कम ऊंचाई वाले लक्ष्य को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। ये लगातार किये गए परीक्षण न केवल हथियार प्रणाली की विश्वसनीयता को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि सिस्टम के विभिन्न घटकों में किए गए हाल के उन्नयन को भी मान्य करते हैं।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ



सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय नौसेना, और सभी संबद्ध टीमों की सराहना की और कहा

कि आधुनिक तकनीकों से लैस यह मिसाइल सशस्त्र बलों को और अधिक तकनीकी बल प्रदान करेगी।

अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रक्षेपण

6 सितंबर 2024 को, एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, ओडिशा, ने इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, अग्नि-4 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया। सामरिक बल कमान ने इसके संचालन की निगरानी की।

डीएलजे द्वारा विकसित नए उत्पादों का प्रदर्शन

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी और अध्यक्ष डीआरडीओ, ने 11-12 सितंबर 2024 के दौरान रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर, का दौरा किया। इस दौरे के दौरान प्रयोगशाला द्वारा बनाए गए निम्नलिखित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया:

- अंतर्जलीय गामा रेडिएशन मॉनिटरिंग सिस्टम (UGRMS): यह सिस्टम अंतर्जलीय गामा रेडिएशन को मापता है और RF लिंक के माध्यम से बेस स्टेशन को सूचना प्रेषित करता है।
- व्हीकल रेडिओएक्टिविटी कंटैमिनेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (VRCMS): प्लास्टिक सिंटिलेटर-आधारित विकिरण डिटेक्टर के माध्यम से वाहन के संदूषण की निगरानी करना। इसे प्रवेश और निकास बिंदु पर स्थापित किया जा सकता है।
- डर्ट एक्सट्रैक्टर-कम-क्रॉस कंटैमिनेशन मॉनिटर (DECCOM): जूते के सोल से गंदगी निकालना और संदूषण स्तर घोषित करना। यह सिस्टम किसी व्यक्ति के सक्रिय क्षेत्र से सुरक्षित क्षेत्र में आने पर क्रॉस संदूषण से बचाता है।
- पर्यावरण टोही वाहन (ESV) Mk-II: 23 अलग-अलग तरह की पहचान प्रणालियों के साथ पहिएदार वाहन पर निर्मित। इसके अतिरिक्त, सिस्टम में चालक दल और चालक को पर्याप्त विकिरण परिरक्षण प्रदान करने के लिए बस बॉडी कॉन्फिगरेशन में विकिरण परिरक्षित आश्रय दिया गया है।
- अडेप्टिव विजुअल और थर्मल ऐड-ऑन सिस्टम: यह सिस्टम तैनाती की पृष्ठभूमि से मेल खाने के लिए वाहन पर अनुकूल रूप से दृश्य रंग पैटर्न उत्पन्न करता है ताकि वाहन पृष्ठभूमि के साथ विलीन हो

जाए। सिस्टम लचीले, सक्रिय पैनेलों से बना है। पैनेल वाहन की गति को बाधित किए बिना फैंब्रिक सबस्ट्रेट पर उपयुक्त रूप से बांधे जाते हैं।

- IR पूर्वानुमान और विश्लेषण उपकरण: IR पूर्वानुमान उपकरण दिए गए वायुजनित वस्तु के वर्णक्रमीय और स्थानिक दोनों प्रकार के विकिरण का अनुमान लगाने में सक्षम है। उपकरण CAD मॉडल से IR पूर्वानुमान के लिए सभी आवश्यक इनपुट उत्पन्न कर सकता है। साथ ही, यह IR सिग्नेचर स्तर का अनुमान लगाने के लिए अन्य स्रोतों से CAD/Mesh/CFD डेटा आयात कर सकता है।
- सिग्मा सॉफ्टवेयर: सिग्मा सॉफ्टवेयर विशेष रूप से खुले क्षेत्र में सैन्य वस्तुओं के छद्मावरित पैटर्न पेंटिंग के लिए सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। सॉफ्टवेयर उपयोगकर्ता को तैनाती क्षेत्र के अनुसार छद्मावरित पैटर्न के कंप्यूटर एडेड डिजाइन की सुविधा प्रदान करता है। यह सिंथेटिक 3D वातावरण में छद्मावरित दृश्य सिमुलेशन के

लिए पैटर्न उत्पन्न कर सकता है।

- IR ऑब्स्क्यूरेंट मैटेरियल: इन्फ्रा-रेड ऑब्स्क्यूरेंट मैटेरियल (IROM) का लाइव प्रदर्शन किया गया। IROM रक्षा परिसंपत्तियों के चारों ओर IR क्लाउड बनाने के लिए एक विशिष्ट तकनीक है, जिससे MWIR और LWIR बैंड दोनों में IR का पता लगाना कम हो जाता है। यह हल्के मटीरियल से बना है, जिसका व्यास कुछ माइक्रोन है और इसकी स्थायित्व अवधि अधिक है।
- CBRN हार्ड प्रिडिक्शन सॉफ्टवेयर: फॉल आउट जोन और ऑपरेशन एक्सपोजर दिशा-निर्देशों के लिए परमाणु और रासायनिक रूप से दूषित क्षेत्र के प्रिडिक्शन के लिए उपयोग किया जाता है।

डॉ कामत ने उन्नत क्षमताओं के साथ नए उत्पाद विकसित करने के लिए डीएलजे टीम को बधाई दी।

प्रदर्शनी के दौरान डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी एंड एसआई), डॉ पीके मेहता, पूर्व जीडी, एसीई, तथा डॉ सीएच दुर्गा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, कैसडिक भी उपस्थित थे।



कैब्स द्वारा काउंटरमेजर डिस्पेंसिंग सिस्टम स्मार्ट ओ लेवल टेस्टर डिजाइन और विकसित किया गया

काउंटर मेजर डिस्पेंसिंग सिस्टम प्रोजेक्ट के डिजाइन और विकास के लिए जनवरी 2021 में वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बंगलुरु, को मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य CMOS स्मार्ट 0-लेवल टेस्टर (C-SOLT) को डिजाइन और विकसित करना था।

काउंटर मेजर डिस्पेंसिंग सिस्टम (CMOS) का 0-लेवल परीक्षण विमान पर चैफ और फ्लेयर्स लोड करने से पहले एक अनिवार्य गतिविधि है। चूंकि चैफ और फ्लेयर्स विस्फोटक की श्रेणी में आते हैं, इसलिए संतोषजनक स्ट्रे वोल्टेज जांच और CMOS का सही कार्यात्मक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के बाद ही कारतूस लोड किए जाएंगे। इसलिए, CMOS का 0-लेवल परीक्षण जमीन पर किसी भी मिशन से पहले किये जाने वाले महत्वपूर्ण परीक्षणों में से एक माना जाता है।

C-SOLT के कार्यान्वयन में एक CMOS सिमुलेटर और एक CMOS स्मार्ट 0-लेवल टेस्टर का डिजाइन और विकास शामिल था, जिसे CMOS सिस्टम पर कार्यात्मक जांच, स्ट्रे वोल्टेज जांच और फायरिंग पल्स जांच करने के लिए डिजाइन किया गया।

अत्याधुनिक C-SOLT सिस्टम में एक टच डिस्प्ले, परीक्षण परिणामों के भंडारण के लिए मेमोरी, वायरलेस मोड, लंबी क्षमता वाली बैटरी, बेहतर संचालन के लिए एक कॉम्पैक्ट एवं हल्के भार

का डिजाइन और मजबूत सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

परियोजना/कार्य के दायरे में C-SOLT सिस्टम की कार्यक्षमता का परीक्षण और उसे साबित करने के लिए एक CMOS सिमुलेटर का डिजाइन और विकास भी शामिल था।

ग्रुप कैप्टन एएस कुमारन (सेवानिवृत्त) तथा श्री केपी जयप्रकाश, वैज्ञानिक 'एफ', C-SOLT सिस्टम के डिजाइन और विकास में शामिल प्रमुख वैज्ञानिक हैं।



डीआरडीओ ने डीजीएनएआई को 30 एमएम एचईपीएफ शेल का उत्पादन दस्तावेज सौंपा

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 3 सितंबर 2024 को पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), में आयोजित एक समारोह के दौरान नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक (डीजीएनएआई) को 30 एमएम हाई एक्सप्लोसिव प्रीफॉर्मर्ड फ्रैगमेंटेशन (HEPF) शेल का उत्पादन दस्तावेज सौंपा।

एआरडीई द्वारा विकसित यह 30 एमएम HEPF शेल ड्रोन के खिलाफ



भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता को और बढ़ाएगा।

HEPF शेल में पहले से उपयोग में लिए जा रहे शेल (एचई/आई शेल) जैसी विशेषताएं हैं, जो इसे मौजूदा एके-630 नवल गन से दागने में सक्षम बनाती हैं। HEPF शेल एचई/आई शेल की तुलना में बेहतर विखंडन मारक क्षमता देता है, जो इसे ड्रोन्स के समुह को बेअसर करने के लिए प्रभावी बनाता है।

तीन भारतीय फर्मों ने एआरडीई

विनिर्देशों के अनुसार एचईपीएफ शेल हार्डवेयर का निर्माण किया और नौसेना आयुध निरीक्षणालय, जबलपुर, के सहयोग से गन फायरिंग प्रूफ परीक्षण संपन्न किया। परीक्षण के परिणामों ने एके-630 गन में अनुकूलन के लिए HEPF शेल की उपयुक्तता की पुष्टि की है, जिससे इसके शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

हस्तांतरण के साथ ही रक्षा मंत्रालय (नौसेना)/डीजीएनएआई के एकीकृत मुख्यालय ने HEPF शेल

प्रेरण अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। एआरडीई ने 30 मिमी HEPF शेल के लिए उत्पादन दस्तावेज भी तैयार किया है, जिससे शेल सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो गए हैं।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने उत्पादन दस्तावेज सौंपने के लिए एआरडीई को बधाई दी। समारोह के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और नौसेना मुख्यालय के अधिकारी भी मौजूद थे।

डीएफआरएल ने खाद्य सुरक्षा और पैकेजिंग के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ हस्तांतरित की

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर, ने दो प्रौद्योगिकियों—बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग सामग्री और दूध परीक्षण किट—मार्क II को मेसर्स लियो न्यूट्रीसाइंस एलएलपी, गुजरात, और मेसर्स नवशाली इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, करनाल, हरियाणा, को सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर दिया। डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं अवर निदेशक, डीएफआरएल, ने 25-26 जुलाई 2024 के दौरान डीएफआरएल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेज और लाइसेंस समझौते उद्योगों को सौंपे।

मेसर्स नवशाली इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड ने दूध परीक्षण किट—मार्क II प्रौद्योगिकी प्राप्त की। कंपनी के सीईओ श्री नवीन कुमार ने डॉ वीए सजीव कुमार, वैज्ञानिक 'जी', डॉ शैलजा, आर, वैज्ञानिक 'एफ', और टीम के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में दस्तावेज प्राप्त किया। मेसर्स नवशाली इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड अपने अभिनव स्मार्ट और स्वास्थ्य सेवा उपकरणों के लिए जाना जाता है जो जनता को सुरक्षित



डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह निदेशक, डीएफआरएल, मेसर्स नवशाली इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री नवीन कुमार के साथ एलएटीओटी का आदान-प्रदान करते हुए



डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक, डीएफआरएल, मेसर्स लियो न्यूट्रीसाइंस एलएलपी के प्रबंध निदेशक श्री कपिल भीमनी के साथ एलएटीओटी का आदान-प्रदान करते हुए

और स्वच्छ भोजन और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग सामग्री प्रौद्योगिकी को 26 जुलाई 2024 को डॉ वासुदेवन, वैज्ञानिक 'ई', डॉ पाल मुरुगन, वैज्ञानिक 'ई' एवं प्रमुख (टीटी एवं ईएक्सबीएन), तथा डॉ रुद्रगौड़ पी वैज्ञानिक 'एफ' एवं

टीएसओ की उपस्थिति में मेसर्स लियो न्यूट्रीसाइंस एलएलपी के एमडी श्री कपिल भिमानी को सौंपा गया।

मेसर्स लियो न्यूट्रीसाइंस एलएलपी का मिशन किफायती कीमत पर विश्व स्तरीय पोषण संबंधी पूरक प्रदान करना है, जिसका उद्देश्य समाज के सभी

वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाना है।

ये प्रौद्योगिकी हस्तांतरण डीएफआरएल नवाचारों के व्यावसायीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाना है।

सीसीआईजेडब्लू स्कूल, वैरेंगटे, को प्रशिक्षण मॉड्यूल सौंपा गया

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने सैनिकों के लिए 'समालोचनात्मक सोच कौशल में वृद्धि' पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है।

यह मॉड्यूल सैन्य वातावरण में परिचालन प्रभावशीलता के लिए समालोचनात्मक विचार जैसे उच्च-क्रम के सोच कौशल का इष्टतम उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है और इसमें

ध्यान, कार्यशील स्मृति, आलोचनात्मक विचार और माइंडफुलनेस से संबंधित साक्ष्य-आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं।

यह प्रशिक्षण मॉड्यूल 24 अगस्त 2024 को डॉ गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ', प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर, डीआईपीआर, द्वारा मेजर जनरल विनोद कुमार नांबियार, वाईएसएम, एसएम, कमांडेंट, काउंटर इंसर्जेंसी एंड जंगल वारफेयर स्कूल, वैरेंगटे, को सौंपा गया।



शॉक ट्यूब परीक्षण सुविधा का उद्घाटन

अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली, ने विस्फोट प्रतिरोधी सामग्रियों और संरचनाओं के मूल्यांकन के लिए डीआरडीओ कौशल विकास केंद्र, पिलखुवा (यूपी), में शॉक ट्यूब परीक्षण सुविधा की स्थापना की।

इस सुविधा का उद्घाटन 7 अगस्त 2024 को डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी और अध्यक्ष डीआरडीओ ने डॉ सुब्रत रक्षित, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम एंड एसएम) की गरिमामयी उपस्थिति में किया। शॉक ट्यूब 7 बार तक के अधिकतम दबाव और 30 मिलीसेकंड तक की अवधि के साथ विस्फोट तरंगों उत्पन्न कर सकती है। यह देश की सबसे बड़ी शॉक ट्यूब है।



यह सुविधा निर्दिष्ट विस्फोटक भार के विरुद्ध 500 मिमी और 1000 मिमी व्यास वाले नमूनों का परीक्षण कर सकती है।

यह सुविधा विस्फोट सुरक्षात्मक संरचनाओं के डिजाइन सत्यापन के लिए आवश्यक विस्फोट परीक्षणों की संख्या को कम करने में मदद करेगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2024

एसीईएम, नासिक

15 अगस्त, 2024 को ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम), नासिक, ने 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया।

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदान को याद करते हुए, एसीईएम के महाप्रबंधक श्री टीवी जगदीश्वर राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, डीएससी प्लाटून स्टाफ, और एसीईएम कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में राष्ट्रगान गाया।

एसीईएम परिवार के उत्साही सदस्यों ने पूरे दिल से 'हर घर तिरंगा' और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान मनाया, जो नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाने, राष्ट्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने और हमारे देश की रक्षा करने वाले शेर दिलों को सम्मानित करने के महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करता है।

केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, ने 15 अगस्त 2024 को बहुत उत्साह के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक केयर, द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। डॉ. ऋतुराज ने सभा को संबोधित किया और केयर कर्मचारियों के बच्चों को योग्यता पुरस्कार वितरित किए।



केयर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 13-15 अगस्त के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अभियान में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को झंडे वितरित किए गए।

प्रयोगशाला ने 14 अगस्त 2024

को अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का आयोजन भी किया ताकि वो अपनी माँ को श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाएं। डॉ. ऋतुराज; श्री प्रसन्ना कुमार केआर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक; श्रीमती देसीराजू पद्मा, वैज्ञानिक 'जी'; और केयर के अन्य कर्मचारियों द्वारा केयर परिसर में कुल 35 पौधे लगाए गए।

डीएफआरएल, मैसूर

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर, ने 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत डॉ. आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं अवर निदेशक, द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सेवा अधिकारियों, अधिकारियों, और कर्मचारियों की मौजूदगी में राष्ट्रगान गाया गया।



समारोह को यादगार बनाने के लिए, डॉ टीएम कोटरेष, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएफआरएल, ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत डीएफआरएल के परिसर में एक पौधा लगाया। इस शुभ अवसर पर कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधे लगाए।

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने देशभक्ति से सरोबार जोश और उत्साह के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। श्री एन श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ने डीएससी गार्ड, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत किशोर मिश्रा, एसएसओ, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों, और कर्मचारियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया। परिसर राष्ट्रगान के गायन से गुंज उठा। इसके पश्चात निदेशक ने स्वतंत्रता संग्राम के महत्व और क्रूर ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए दिए गए बलिदानों पर एक संक्षिप्त सम्बोधन दिया।

श्री ए नारायण राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, कार्य समिति, और कार्य समिति के अन्य सदस्यों के नेतृत्व में प्रयोगशाला के कर्मचारियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और डीएलआरएल तथा ईएलएसईसी परिसर में 400 जामुन (सिजीजिमैक्यूमिनी) के पौधे लगाए गए।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 13-15 अगस्त, 2024 को हर घर तिरंगा कार्यक्रम मनाया। अधिकारियों, कर्मचारियों, और डीएससी कर्मियों ने डीएमएसआरडीई कार्यालय परिसर और वार मेमोरियल कॉलोनी तथा रक्षा विहार कॉलोनी



डीएलआरएल, हैदराबाद, में स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्थित आवासीय मकानों पर बड़ी संख्या में झंडे फहराए। 15 अगस्त 2024 को कार्यक्रम में डीएमएसआरडीई परिसर के अंदर वृक्षारोपण भी शामिल रहा। कार्यक्रम का समन्वय डॉ सुनील कुमार, वैज्ञानिक 'डी' ने किया। प्रयोगशाला ने 15 अगस्त 2024 को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भी चलाया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती पुष्पा द्विवेदी के नाम का पहला पेड़ लगाया। डीएमएसआरडीई ने वार मेमोरियल कॉलोनी और रक्षा

विहार कॉलोनी में अधिकारियों और कर्मचारियों की आवासीय कॉलोनियों के साथ मिलकर करीब 700 पौधे लगाए। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ सुनील कुमार, वैज्ञानिक 'डी' थे।

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी, ने 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया। आईटीएम के निदेशक श्री एसपी डोभाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर, उन्होंने सभी कर्मचारियों को बधाई दी और स्वतंत्रता के बाद के युग में हमारे देश की उपलब्धियों पर गर्व के साथ विचार किया। उन्होंने हमारे पूर्वजों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना बलिदान दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के 100 वर्ष उपरांत 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपने सभी प्रयासों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। ध्वजारोहण समारोह के अलावा, आईटीएम ने आवासीय क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया और 13-15 अगस्त, 2024 तक सभी आवासीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।





नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्सव के हिस्से के रूप में फैंसी ड्रेस और गायन कार्यक्रम में भाग लिया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 13-15 अगस्त 2024 के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया। डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल, ने उद्घाटन समारोह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज दिए। एनपीओएल परिवार ने इन ध्वजों को अत्यंत सावधानी और सम्मान के साथ निर्दिष्ट स्थानों पर फहराया।

14 अगस्त 2024 को, एनपीओएल कर्मचारियों की एक टीम ने एनपीओएल तकनीकी परिसर से एनपीओएल प्रवेश द्वार पर स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम स्मारक तक एक पदयात्रा का आयोजन किया।

डॉ शेषागिरी ने मुख्य फोयर से वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने एनपीओएल तकनीकी परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

प्रयोगशाला ने 15 अगस्त 2024 को अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का आयोजन भी किया ताकि वो अपनी माँ को श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाएं। डॉ शेषागिरी

और एनपीओएल के अधिकारियों द्वारा पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने अपनी माताओं की उपस्थिति में आवासीय क्षेत्र में पेड़ लगाए। इस कार्यक्रम का समन्वय एनपीओएल के वर्क्स एस्टेट्स एंड सर्विसेज समूह द्वारा किया गया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 15 अगस्त 2024 को देशभक्ति की भावना के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ की। निदेशक, एनएमआरएल ने उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं दीं। एनएमआरएल कर्मचारियों के बच्चों द्वारा एक लघु-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी उत्साहपूर्वक पेश किया गया। बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया और देशभक्ति गीत एवं कविताएं प्रस्तुत कीं। निदेशक, एनएमआरएल तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' विषय के तहत एनएमआरएल परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने

एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और ऊर्जा के साथ मनाया। डॉ एसके दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। दिन की पूर्व संध्या पर बच्चों के लिए ड्राइंग और रंग भरने का कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा इन





एनएमआरएल, अंबरनाथ, में स्वतंत्रता दिवस समारोह

एनएसटीएल अधिकारियों, कर्मचारियों, और उनके परिवार के सदस्यों के साथ एनएसटीएल परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने एनएसटीएल कर्मियों को अपनी जिम्मेदारी याद दिलाई कि वे सबसे परिष्कृत जलमग्न हथियारों के अनुसंधान एवं विकास में पूर्ण सहयोग के साथ भारतीय नौसेना का समर्थन कर और राष्ट्र को प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण की ओर ले जाएं। रामनाथ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा गाए गए देशभक्ति गीतों से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

माननीय प्रधान मंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ किया, जिसमें भारत और दुनिया भर में प्रत्येक से आने वाले दिनों में अपनी माँ को

श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। इस अभियान के तहत, एनएसटीएल ने 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और 15-24 अगस्त 2024 के दौरान एक विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन भी किया। डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, कार्य समिति; एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ, कार्य समिति के सदस्यों; वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, और उनके परिवार के सदस्यों ने कार्यक्रमों में देशभक्ति से सरोबार हो भाग लिया।

पीएक्सई, बालाशोर

पूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), बालाशोर, ने 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। श्री सोबोध कुमार नायक, निदेशक,

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम, में स्वतंत्रता दिवस समारोह



पीएक्सई, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। उन्होंने इस विशेष अवसर पर सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में उन्होंने देश की रक्षा तैयारियों के लिए पीएक्सई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सेवा कर्मियों के प्रयासों और देश के प्रति समर्पण की प्रशंसा की और सभी को राष्ट्र के विकास के प्रति प्रतिबद्ध होने के लिए प्रोत्साहित किया और परिवार के सभी उपस्थित सदस्यों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

निदेशक द्वारा एक पेड़ लगाकर 'एक पेड़ माँ के नाम' के एक भाग के रूप में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत भी की गयी।



स्थापना दिवस समारोह

एआरडीई, पुणे

1 सितंबर 2024 को, आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, ने अपना 67वां स्थापना दिवस बड़े गर्व के साथ मनाया। श्री एमजे सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरो), ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की, जबकि प्रोफेसर प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई ने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह का नेतृत्व किया। उपस्थित विशिष्ट व्यक्तियों में एसीई क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले सहयोगी प्रयोगशालाओं के निदेशक, साथ ही पूर्व महानिदेशक और निदेशक शामिल थे।

अपने स्वागत संबोधन में, श्री ए राजू ने पिछले वर्ष में प्रयोगशाला की उपलब्धियों का अवलोकन प्रदान किया, और 2023 के दौरान प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में उनके समर्पण के लिए एआरडीई के सभी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो० किशोर ने उत्पादों के डिजाइन, विकास, परीक्षण, और प्राप्ति में एआरडीई द्वारा पार की गई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन से भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने, शिक्षाविदों, और उद्योगों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने और समय पर परियोजना पूरी हो, यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

श्री सिद्दीकी ने उन्नत हथियार प्रणालियों के विकास में उनके योगदान के लिए प्रत्येक एआरडीई कर्मचारी की सराहना की। उन्होंने आत्मनिर्भरता



और वैश्विक नेतृत्व प्राप्त करने के लिए आज के बदलते परिवेश में संगठनात्मक परिवर्तन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, वैज्ञानिक/तकनीकी पुरस्कार, और उत्पादन के लिए पिनाका टीम पुरस्कार मिला। डीआरडीओ में 25 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन श्री किशोर बी जाधव, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यक्रम के समग्र समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 20 अगस्त 2024 को अपना 55वां स्थापना दिवस मनाया। एनएसटीएल अत्याधुनिक और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित और वितरित करके भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समारोह के मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल राजेश पेंडारकर, एवीएसएम, वीएसएम, एफओसी-आईएन-सी (पूर्व);

विशिष्ट अतिथि डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम); और मुख्य अतिथि डॉ (श्रीमती) एन रंजना, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (डीएफटीएम) थीं। अपने स्वागत संबोधन में, सुश्री जी पलाक्षी, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, एलआरडीसी-2024 ने समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित सभी कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण दिया तथा डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, कार्य समिति, ने विभिन्न अवसरों पर कार्य समिति द्वारा की गई कई गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट दी।

अपने संबोधन में, डॉ रंजना ने बताया कि कैसे डीआरडीओ, शिक्षा जगत और उद्योग के त्रिपक्षीय प्रयासों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत और विकासशील भारत 2047 को साकार करने की दिशा में कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ विभिन्न आईआईटी के प्रोफेसरों को प्रौद्योगिकी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया और सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय उपयोगकर्ता प्रशंसा पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर चीफ ऑफ



इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने कैप्टन (डॉ) एवीएसएन मूर्ति को नेवी इन्फ्रारेड स्टीथ पर चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के अध्यक्ष पद पर रहते हुए उनके सराहनीय कार्य के लिए विशिष्ट प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

5 जून, 2023 को, एनएसटीएल और उद्योग भागीदार मेसर्स ट्रिनी टेक इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम, ने अंडरवाटर टारगेट स्ट्रक्चर (UWTS) की तैनाती कर

वरुणास्त्र टॉरपीडो के लड़ाकू परीक्षणों का सफलतापूर्वक संचालन किया। डॉ वाई राव, डॉ वर्गीस, डॉ रंजना ने उद्योग भागीदार श्री वीएनवी सत्येंद्र, प्रबंध निदेशक, को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लाइसेंसिंग समझौते को सौंपा।

अपने संबोधन के दौरान, मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी 55 साल की यात्रा पूरी करने पर टीम एनएसटीएल को बधाई दी। उन्होंने कहा

कि एनएसटीएल समय पर परियोजना पूरी करने के लिए भारतीय नौसेना के साथ मिलकर काम कर रहा है और भारतीय नौसेना आगामी परियोजनाओं का बेसब्री से इंतजार कर रही है। एनएसटीएल कड़ी मेहनत, समर्पण और अथक प्रयासों से भारतीय नौसेना का एक विश्वसनीय भागीदार बन गया है।

समारोह के हिस्से के रूप में, एनएसटीएल ने 8 अगस्त 2024 को एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया।

सुरक्षा मॉक ड्रिल

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 2 अगस्त 2024 को अग्नि दुर्घटनाओं के दौरान परिसर से आपातकालीन निकासी के लिए कर्मियों की तत्परता में सुधार करने के लिए एक मॉक ड्रिल आयोजित की। सुबह, सुरक्षा टीम ने ड्रिल के महत्व और इसमें शामिल आवश्यक कदमों को समझाने के लिए एक ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया और फिर दोपहर में ड्रिल सत्र के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ाया। कर्मियों ने अलार्म का जवाब दिया और कुछ ही मिनटों के भीतर निर्दिष्ट बिंदु पर एकत्र हुए।



सुरक्षित रहें: प्रभावी अग्नि सुरक्षा गियर का चयन करने पर कार्यशाला

अग्नि, विस्फोटक और पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली, ने 21 अगस्त 2024 को एसडीसी पिलाखुवा में 'सुरक्षित रहें: प्रभावी अग्नि सुरक्षा गियर का चयन' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य रक्षा बलों (सेना, नौसेना, और वायु सेना) के उपयोगकर्ताओं को विभिन्न अग्नि परिदृश्यों में पहने जाने वाली उपयुक्त अग्निशामक गियर के बारे में शिक्षित करना था।

कार्यशाला में रक्षा बलों के कुल 16 अधिकारियों के साथ-साथ टीओटी

और विकास भागीदारों ने भाग लिया। सीफीस के निदेशक श्री अरविंद कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और फिर, 'सुरक्षित रहें: प्रभावी अग्नि सुरक्षा गियर का चयन: ए रेडी रेकनर' नामक एक पुस्तिका जारी की। यह पुस्तिका अग्निशमन कर्मियों, सुरक्षा अधिकारियों, और अग्निशमन के महत्वपूर्ण कार्य में शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है। कार्यशाला में सीफीस द्वारा विकसित अग्निशमन उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।



भविष्य की सुरक्षा के लिए एआई पर सेमिनार

डीएफटीएम द्वारा 'भविष्य की सुरक्षा के लिए एआई' पर सेमिनार का आयोजन किया गया तथा इसकी अध्यक्षता विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम एवं एसएएम) डॉ सुब्रत रक्षित ने की। यह सेमिनार 8 अगस्त 2024 को आईआईटी-दिल्ली में आयोजित किया गया। सेमिनार में रक्षा, शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां एकत्रित हुईं, ताकि भविष्य की सुरक्षा के लिए एआई की भूमिका का पता लगाया जा सके।

डॉ रंजना, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएफटीएम, ने एआई में वैश्विक 196 बिलियन डॉलर के निवेश तथा भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए इसकी क्षमता पर जोर दिया, जिसमें हितधारकों के बीच विश्वसनीयता एवं सहयोग बढ़े इस महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया। महानिदेशक टीएम ने चर्चा की कि कैसे



एआई, कमांडरों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता कर सकता है, जिससे नियमित एवं उच्च-स्तरीय रणनीतिक संचालन दोनों में वृद्धि हो सकती है। कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु से डॉ अरशद जमाल ने साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फोरेंसिक में एआई की भूमिका को सबके सामने रखा, जिसमें बहु-डोमेन एकीकरण की

रणनीतियों तथा सूचना हेरफेर द्वारा उत्पन्न संज्ञानात्मक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सेमिनार का समापन इस वैश्विक एआई दौड़ में भारत की स्थिति पर चर्चा के साथ हुआ, जिसमें अग्रणी देशों के साथ अंतर को कम करने के लिए रणनीतिक निवेश और सहयोग की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

नई व्यवस्था के तहत संघ और सीडीआरए के साथ बैठक

कर्मचारियों को अतिरिक्त बैठक के अवसर प्रदान करने के लिए नई व्यवस्था के तहत 9 सितंबर 2024 को डीआरडीओ भवन, दिल्ली में श्रीमती यू जेया संथी, महानिदेशक (मानव संसाधन) की अध्यक्षता में तीन संघों (एआईडीईएफ, आईएनडीडब्ल्यूएफ और बीपीएमएस) और सीडीआरए के साथ छठी बैठक कार्मिक निदेशालय (डीओपी), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा आयोजित की गई। बैठक को डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने भी संबोधित किया।

महानिदेशक (आरएंडएम), डीएमएस, डीएचआरडी, डीओपी, निदेशक, सेप्टम, और अवर सचिव (आरएंडडी) ने आधिकारिक पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। कर्मचारी पक्ष से, एआईडीईएफ (श्री एसएन पाठक और श्री सी श्रीकुमार), बीपीएमएस (श्री दिनेश कुमार और श्री मुकेश सिंह), सीडीआरए (श्री एसबी चौबे और श्री अजय) के अध्यक्ष और महासचिव, तथा

आईएनडीडब्ल्यूएफ के महासचिव और उपाध्यक्ष (श्री आर श्रीनिवासन और श्री गुरुदयाल सिंह) ने एक अतिरिक्त प्रतिनिधि के साथ बैठक में भाग लिया। श्री आरएन नागराज, नेता, कर्मचारी पक्ष; श्री यूसी लेनका, जेसीएम-III परिषद के कर्मचारी पक्ष के सचिव; और डीआरडीओ मुख्यालय के 10 अन्य अधिकारी भी विशेष आमंत्रितगण के रूप में उपस्थित रहे। डॉ कामत ने महासंघ के नेताओं से मिलने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के शीर्ष अधिकारी तेजी से डीआरडीओ पर अपना भरोसा जता रहे हैं और उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए एक आतिथ्य-पूर्ण माहौल बनाने के महत्व पर जोर दिया, जहां उद्योगों को पोषण और मजबूती मिल सके। उन्होंने सभी से प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखने का आह्वान किया और अनुरोध किया कि सभी को डीआरडीओ एवं राष्ट्र को

महान बनाने की दिशा में काम करना जारी रखना चाहिए। बैठक के अध्यक्ष, महानिदेशक (मानव संसाधन) और सदस्य सचिव, डीओपी ने कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए डीआरडीओ प्रबंधन द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदमों पर प्रकाश डाला। कर्मचारी पक्ष ने कैंडर और सुविधाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा शुरू की। महासंघ के नेताओं ने पूरे रक्षा मंत्रालय में नियमित रूप से अतिरिक्त तंत्र बैठकें आयोजित करने के लिए डीआरडीओ की सराहना की। उन्होंने अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए डीआरडीओ मुख्यालय के अधिकारियों के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने समापन संबोधन में, महानिदेशक (मानव संसाधन) ने कर्मचारियों के रचनात्मक विचारों और एकजुटता की भावना के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी को डीआरडीओ परिवार के कल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

डीएमएसआरडीई में प्रयोगशाला अनुसंधान परिषद की बैठक

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 21 अगस्त, 2024 को प्रयोगशाला अनुसंधान परिषद (एलआरसी) की बैठक आयोजित की। आईआईटी बॉम्बे के पूर्व निदेशक प्रो० अशोक मिश्रा ने बैठक की अध्यक्षता की।

स्वागत संबोधन डॉ मयंक द्विवेदी उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने दिया। बैठक में प्रो० बीके बेहरा, आईआईटी दिल्ली; प्रो० कांतेश बालानी, आईआईटी कानपुर; श्री जी शिव राम कृष्ण, वैज्ञानिक



'जी', जीटीआरई; तथा सभी तकनीकी एवं तकनीकी-प्रबंधकीय प्रभाग प्रमुख शामिल हुए। श्री आलोक कुमार दीक्षित,

एडी ने एलआरसी को तकनीकी गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए एक प्रस्तुति पेश की।

एनएसटीएल में आयोजित पाठ्यक्रम

रक्षा अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा बैटरियों में उभरते रुझान

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम के उन्नत ऊर्जा प्रणाली (एईएस) निदेशालय द्वारा 21-23 अगस्त 2024 के दौरान 'रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उच्च शक्ति और ऊर्जा बैटरियों में उभरते रुझान' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रक्षा क्षेत्र में उच्च शक्ति और उच्च ऊर्जा बैटरियों के अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया, तथा श्री सीएच वी सत्य श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह निदेशक एचआरडी, तथा पाठ्यक्रम निदेशक डॉ (श्रीमती) टीवीएसएल सत्यवाणी, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रौद्योगिकी निदेशक (एईएस), ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। निदेशक, एनएसटीएल, ने उच्च-शक्ति एवं ऊर्जा



बैटरियों के क्षेत्रों में वर्तमान रुझानों पर प्रकाश डाला, तत्पश्चात पाठ्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य सम्बोधन डॉ ए श्रीनिवास कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) ने दिया।

पूरा पाठ्यक्रम संवादात्मक रहा, जिससे प्रतिभागियों को इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री की मूल बातें, वर्तमान एवं उन्नत बैटरी तकनीकें, सुपर कैपेसिटर,

लिथियम-आयन एवं धातु-आयन बैटरियों का निर्माण, सुरक्षा परीक्षण एवं मानक, बैटरियों में गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता का महत्व, तथा अंत में बैटरी सामग्री की पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्चक्रण के बारे में जानने का अवसर मिला।

पायलट-स्केल ली-आयन सेल निर्माण सुविधा का दौरा भी आयोजित किया गया।

नौसेना और जलमग्न अनुप्रयोगों पर कार्यशाला

मैसर्स मैथवर्क्स, डिजाइन टेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, सिकंदराबाद, ने 4 सितंबर 2024 को एनएसटीएल, विशाखापत्तनम, में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला में नौसेना और अंतर्जलीय अनुप्रयोग केंद्र-बिंदु रहे, विशेष रूप से डीआरडीओ एनएसटीएल आरएंडडी समूहों के लिए उपयुक्त मूल्यवान अंतर्दृष्टि और चर्चाएं प्रदान की गयीं।

एनएसटीएल से कुल 38 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई: अगली पीढ़ी के नौसेना



प्रणाली के लिए डिजिटल इंजीनियरिंग, मॉडल-आधारित डिजाइन और रियल

टाइम सिमुलेशन एवं परीक्षण, स्वायत्त अंतर्जलीय वाहनों का विकास।

डेसीडॉक में आयोजित पाठ्यक्रम

पुस्तकालयों में नवीनतम प्रवृत्तियाँ

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 07-09 अगस्त 2024 के दौरान 'पुस्तकालयों में नवीनतम प्रवृत्तियाँ' विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया, तथा डॉ मोहम्मद यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में स्वागत संबोधन दिया।

तीन दिवसीय इस पाठ्यक्रम में ग्यारह तकनीकी सत्रों के साथ-साथ उद्घाटन और समापन सत्र भी शामिल थे। सत्रों को इस तरह व्यवस्थित किया गया था कि पुस्तकालयों और इसके नवीनतम रुझानों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की जा सके।

विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से उनतीस प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

संगठन के उद्देश्य को अग्रगत करने के लिए ज्ञान प्रबंधन का उपयोग

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 11-13 सितंबर 2024 के दौरान 'संगठन के उद्देश्य को अग्रगत करने के लिए ज्ञान प्रबंधन का उपयोग' विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने डॉ मोहम्मद यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ'; श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ'; एवं डेसीडॉक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस पाठ्यक्रम में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली; और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के संकाय शामिल रहे। डॉ राव ने पाठ्यक्रम के



प्रतिभागियों को संबोधित किया और विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में काम कर रहे परियोजना वैज्ञानिकों के उपलक्षित ज्ञान को साधने की आवश्यकता पर जोर दिया और संगठन

के उद्देश्य को बढ़ाने के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डीजीआरई द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम

सेना कर्मियों के लिए हिमपात तथा मौसम डेटा संग्रहण एवं हिमस्खलन जागरूकता पर पाठ्यक्रम

भारतीय हिमालय के सियाचिन में परिचालन कर्तव्यों एवं प्रतिबद्धताओं में सुरक्षित गतिशीलता के प्रति सैनिकों की तैयारियों को बढ़ाने के लिए, एमएमसी सासोमा, रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, द्वारा अगस्त के मध्य से सितंबर 2024 के मध्य तक सियाचिन बैटल स्कूल में शामिल होने से पहले प्रशिक्षण प्राप्त कर रही विभिन्न इकाइयों और 102 इन्फैंट्री ब्रिगेड की विभिन्न इकाइयों के लिए हिमपात-मौसम संबंधी डेटा संग्रह एवं हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कैप्टन सुमित ओझा ने नायब सुबेदार अनिल कुमार, हवलदार अश्विनी परमार, और हवलदार जितेंद्र शर्मा के साथ मिल कर पाठ्यक्रम का समन्वय किया। उन्होंने शामिल सैनिकों को बर्फ से जुड़े खतरों,



भारतीय हिमालय के बर्फीले क्षेत्र में हिमस्खलन के खतरों, बर्फ-मौसम संबंधी डेटा उपकरणों, उनके संचालन संबंधी कार्य एवं डेटा रिकॉर्डिंग प्रक्रियाओं, हिमस्खलन पूर्वानुमान की व्याख्या

और हिमस्खलन प्रक्रिया में विभिन्न बर्फ-मौसम संबंधी मापदंडों की भूमिका, सियाचिन के बर्फीले क्षेत्र में हिमस्खलन सुरक्षा-बचाव प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी।

पहाड़ी भू-खतरों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, ने 9-13 सितंबर 2024 के दौरान 'पहाड़ी भू-खतरों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग' पर पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य सुदूर संवेदन, जीआईएस उपकरणों, और पहाड़ी भू-खतरों के लिए संसाधनों में हाल के प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों के बारे में ज्ञान को बढ़ाना था। डॉ अश्वघोष गंजू, वैज्ञानिक 'जी', पूर्व निदेशक, डीजीआरई, (पूर्ववर्ती एसएएसई), ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और सूचना को अद्यतन करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा भारतीय हिमालय के बर्फीले क्षेत्र में सैनिकों की परिचालन प्रतिबद्धताओं



के लिए हिमस्खलन और भूस्खलन से सुरक्षा के लिए विभिन्न उन्नत उपकरणों और भू-स्थानिक तकनीकों की नवीनतम तकनीकों से अच्छी तरह परिचित होने

के साथ-साथ देश के बाकी हिस्सों के साथ हिमालयी क्षेत्र की वर्ष भर संयोजकता के लिए जानकारी की आवश्यकता पर भी बल दिया।

‘स्मार्ट एंड इंटेलीजेंट्स मैटेरियल्स फॉर डिफेन्स एप्लिकेशन्स’ विषय पर पाठ्यक्रम

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 19-23 अगस्त 2024 के दौरान ‘स्मार्ट एंड इंटेलीजेंट्स मैटेरियल्स फॉर डिफेन्स एप्लिकेशन्स’ विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। इस पांच दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान, आईआईएससी बेंगलुरु, आईआईटी कानपुर, आईआईटी-बीएचयू वाराणसी, आईआईटी भिलाई, और एचबीटीयू, कानपुर, सहित विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के प्रख्यात वक्ताओं के



साथ-साथ डीएमएसआरडीई एवं अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

डॉ द्विवेदी ने पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ डीएस बाग, वैज्ञानिक ‘जी’ और

पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ गोबरधन लाल, वैज्ञानिक ‘एफ’ द्वारा आयोजित एक संवादात्मक फीडबैक सत्र के बाद प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम प्रमाण-पत्र सौंपे।

प्राक्षेपिकी उपकरणों और सर्वेक्षण तकनीकों पर पाठ्यक्रम

2-6 सितंबर 2024 के दौरान प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, ने ‘हथियारों के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए प्राक्षेपिकी उपकरणों और सर्वेक्षण तकनीक’ विषय पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों जैसे प्राक्षेपिकी उपकरणों का परिचय, आंतरिक, बाह्य एवं चरम प्राक्षेपिकी मापन, हथियार परीक्षण रेंज में सर्वेक्षण आधारित उपकरणों का अनुप्रयोग, गन प्रणाली का परिचय, अग्नि नियंत्रण प्रणाली का परिचय, रडार सिग्नल प्रोसेसिंग, सर्वेक्षण तकनीकों में प्रगति, हथियारों के परीक्षण एवं मूल्यांकन में उच्च गति इमेजिंग और उन्नत तकनीकों का अनुप्रयोग, पल्स रडार और EOTS सिस्टम का अनुप्रयोग आदि पर चर्चा शामिल रही।



डॉ शंकरसन पाढ़ी, वैज्ञानिक ‘एफ’ पाठ्यक्रम निदेशक थे। डॉ पीके दास गुप्ता, वैज्ञानिक ‘जी’ एवं कार्यवाहक निदेशक, पीएक्सई, ने पाठ्यक्रम का

उद्घाटन किया और श्री सुबोध कुमार नायक, निदेशक, पीएक्सई, ने समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

ईसा में रक्षा के लिए जियोइंट पर पाठ्यक्रम

पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली, ने 19-23 अगस्त 2024 के दौरान 'रक्षा के लिए जियोइंट' विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य बहु-सर्वर दूरस्थ सेवा डेटा की क्षमताओं और इसे GIS-तैयार उत्पाद में बदलने के बारे में जानकारी प्रदान करना था। सरकार, शिक्षा और उद्योगों के विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिए और अपने अनुभव साझा किए।

श्री एसबी तनेजा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईसा, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और डॉ पीवी राधा देवी, निदेशक, ADRIN, ने मुख्य संबोधन दिया। डॉ सुजाता दाश, वैज्ञानिक



'एफ' एवं पाठ्यक्रम निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा पाठ्यक्रम के संचालन का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ सुमंत कुमार दास,

वैज्ञानिक 'एफ' उप पाठ्यक्रम निदेशक थे। उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। पाठ्यक्रम में कुल 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सैनिकों के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए डीआरडीओ आउटरीच कार्यक्रम

सैनिक स्वास्थ्य एवं औषधि विकास (SH&DD) पर एलएसआरबी पैनल ने 22 अगस्त 2024 को शिलांग (मेघालय) में नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (NEHU) परिसर में डीआरडीओ आउटरीच कार्यक्रम के तहत सैनिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला में प्रोफेसर पीएस शुक्ला, माननीय कुलपति, NEHU, तथा डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), एवं एलएसआरबी के SH&DD पैनल के अध्यक्ष ER&IPR निदेशालय, डीजीटीएम, डीआरडीओ, कार्यालय उपस्थित रहे। एलएसआरबी के सदस्य सचिव और



इनमास, दिल्ली, की एक टीम ने भी संकाय के साथ बातचीत की। सैनिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित आवश्यकताओं को समझने के लिए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के 32 संस्थानों के सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग

लिया। इनमास (जीवन विज्ञान क्लस्टर) के निदेशक ने अपनाई गई परियोजना मूल्यांकन विधियों और भविष्य में प्रस्तुत किए जाने वाले परियोजना प्रस्तावों से निवेश पर रिटर्न (ROI) पर बल दिया और इसके बारे में विस्तार से बताया।

MET-HTS और MMD अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 2024

एएसएम इंटरनेशनल, इंडिया चैप्टर, तथा TAFCON द्वारा 4-6 सितंबर 2024 के दौरान बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, मुंबई, में 'मैटेरियल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एंड एडवांसमेंट्स इन हीट ट्रीटमेंट (MET&HTS)' तथा 'मेडिकल मैटीरियल्स एंड ड्रिवाइसेस' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीआरडीओ की भागीदारी के समन्वयन की जिम्मेदारी एनएमआरएल को दी गई।

प्रदर्शनी के दौरान डीआरडीओ खेमें में एनएमआरएल, डीएमआरएल, डीएमएसआरडीई, और डीएलजे द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।



डॉ जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, ने 4 सितंबर 2024 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

प्रोफेसर अभय करंदीकर, सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मुख्य अतिथि थे। उन्होंने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर उद्घाटन

सत्र को संबोधित किया। प्रदर्शनी के तीन दिनों के दौरान, डीआरडीओ के स्टॉल ने उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों, और अनुसंधान एवं विकास संगठनों से कई आगंतुकों को आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ खेमें ने 'सर्वश्रेष्ठ उत्पाद प्रदर्शन' का पुरस्कार जीता।

DOSTAS अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगोष्ठी

16-17 अगस्त 2024 के दौरान कोचीन, भारत, में DOSTAS अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगोष्ठी (DIMS 2024) आयोजित की गई। 'नेविगेटिंग दी फ्यूचर ऑफ दी इंडियन मेरीटाइम इंडस्ट्री' विषय वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के समुद्री परिदृश्य में नवाचार, स्थिरता, और समृद्धि की दिशा में एक मार्ग तैयार करना था। प्रदर्शनी के दौरान डीआरडीओ खेमें में एनएमआरएल, एनपीओएल, एनएसटीएल, और जीटीआरई द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी के दो दिनों के दौरान, डीआरडीओ के स्टॉल ने उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों से कई आगंतुकों को आकर्षित किया। लगभग 500



प्रतिष्ठित उपस्थितगण, 40 प्रतिष्ठित वक्ता, और नीति निर्माताओं तथा उद्योग जगत के नेताओं सहित विविध प्रदर्शकों

ने अंतर्दृष्टि साझा करने, नए क्षितिज तलाशने और अमूल्य संबंध बनाने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डिपास में सतर्कता एवं सुरक्षा संवेदनशीलता पर कार्यक्रम

रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली, में 29 अगस्त 2024 को सतर्कता एवं सुरक्षा संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को कार्यस्थल पर भौतिक एवं डिजिटल दोनों प्रकार की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल से लैस करना तथा जागरूक करना था। टीएसयू, दिल्ली, के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रवीण कुमार ने सतर्कता, भौतिक सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान दिया। कर्मचारियों को भौतिक एवं साइबर सुरक्षा के लिए



संभावित खतरों के बारे में अधिक दैनिक दिनचर्या में सर्वोत्तम आदतों को जागरूक होने के साथ-साथ अपनी शामिल करने का ज्ञान भी प्राप्त हुआ।

लिंग संवेदनशीलता पर कार्यशाला

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, ने 29 अगस्त 2024 को 'लिंग संवेदनशीलता' पर कार्यशाला आयोजित की। डॉ संगीता जुंड, एनजीओ/सहयोगी सदस्य आईसीसी, डीजीआरई, की प्रतिनिधि ने 'लिंग संवेदनशीलता और कार्यस्थल पर इसके महत्व' पर व्याख्यान दिया और भारत तथा विदेशों के केस स्टडीज पर चर्चा की। डॉ उपनीत कौर मंगत, पूर्व अध्यक्ष, मानव अधिकार एवं कर्तव्य केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, ने लिंग को समझने, लिंग समानता, सहमति, जागरूकता एवं व्यक्ति, समाज, कार्यस्थल और संगठनात्मक स्तर पर संवेदनशीलता पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा श्री जतिंदर कुमार कंबोज, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़, के अधिवक्ता ने लिंग संवेदनशीलता को मजबूत करने वाले मौजूदा विभिन्न कानूनों और परिवर्तनकारी दृष्टिकोणों पर गहराई से चर्चा की।



डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 3 सितंबर 2024 को 'लिंग संवेदीकरण' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में 13 निदेशालयों से सभी संवर्गों और लिंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले 52 कर्मियों ने भाग लिया। महिलाओं और बाल कल्याण के लिए

अथक काम करने वाले सामाजिक वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं ने तीन व्याख्यान दिए। पहला व्याख्यान मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ अनिता रेगो द्वारा 'लिंग संवेदीकरण' पर। दूसरा व्याख्यान 'महिलाओं से संबंधित कानून जिसमें POSH अधिनियम भी शामिल है' पर था, जिसे डॉ ममता रघुवीर अचंता, महिला और बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं थारुनी और

NILA एनजीओ की संस्थापक ने दिया, जो किशोर लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं। अंतिम व्याख्यान सुश्री शैलजा विंसेंट द्वारा 'कार्यस्थल पर POSH' विषय पर दिया गया। सभी व्याख्यानों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 9 सितंबर 2024 को कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण लिंग संवेदीकरण पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। डॉ सुजाता चवन, सहायक प्रोफेसर, टीआईएसएस, मुंबई, अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित थीं। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया और कार्यस्थल पर लिंग पूर्वाग्रह के महत्व और इसकी संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला। डॉ सुजाता चवन ने लिंग-पूर्वाग्रह को उजागर करके, समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर जोर देते हुए एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। सत्र को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें कर्मचारियों ने कार्यस्थल समानता को बढ़ाने के लिए प्राप्त अंतर्दृष्टि को अग्रगत करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता जाहिर की। यह सत्र एनएमआरएल में सम्मानजनक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

पीएक्सई, चांदीपुर

11 सितंबर 2024 को प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, में 'लिंग संवेदीकरण' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती बी सुचारिता दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, आईटीआर, ने किया। साथ ही,



श्री सुबोध कुमार नायक, निदेशक, पीएक्सई; प्रो0 रोजालिन दास, अध्यक्ष (आईसीसी एफएम यूनिवर्सिटी); सुश्री स्मृति सुधा साहू, वैज्ञानिक 'ई'; तथा सुश्री सुदेशना महापात्रा, वैज्ञानिक 'ई' भी मौजूद थीं। प्रख्यात वक्ता माननीय न्यायाधीश श्री बिस्वजीत दाश, ओपीआईडी, बालासोर, ने 'कार्यस्थल से संबंधित लिंग

संबंधी मुद्दे और संवेदनशीलता' पर एक व्याख्यान दिया, तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरेकृष्ण दाश ने 'POSH अधिनियम पर अवलोकन' पर एक व्याख्यान दिया। साथ ही, 'सतत विकास के लिए लिंग मुख्यधारा' पर एक व्याख्यान श्रीमती प्रज्ञा परमिता मोहंती, अधिवक्ता, द्वारा दिया गया।



टीबीआरएल, चंडीगढ़

5 सितंबर 2024 को चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), रामगढ़ रेंज, में लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य POSH अधिनियम 2013 के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यशाला का उद्देश्य टीबीआरएल में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में जागरूक करना तथा आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका पर चर्चा करना था। कार्यशाला

के दौरान दो प्रख्यात वक्ताओं डॉ संगीता जुंड और डॉ उपनीत कौर ने व्याख्यान दिया। डॉ संगीता जुंड चंडीगढ़ में यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी में वरिष्ठ समन्वयक और कार्यक्रम प्रमुख हैं। वह चाइल्ड लाइन और एचआईवी/एड्स पर टीआई परियोजना में परियोजना निदेशक भी हैं। वह एनजीओ और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की समन्वयक रह चुकी हैं। डॉ उपनीत कौर चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय में मानवाधिकार और कर्तव्य केंद्र की अध्यक्ष हैं।



कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को हमारे समाज में व्याप्त रुढ़िवादिता और लैंगिक असमानता के बारे में जानकारी देना था।

हिंदी कार्यशाला

एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में 14 अगस्त 2024 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और कार्यक्रम की वक्ता के रूप में श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी', SA to CAS, उपस्थित रहीं। उन्होंने हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन पर एक आकर्षक व्याख्यान प्रस्तुत किया।



पीएक्सई, चांदीपुर

प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, ने 20-22 अगस्त 2024 के दौरान एडमिन एलाइड और एमटीएस केंद्र कर्मियों के लिए 95वीं हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। श्री सुबोध कुमार नायक, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, पीएक्सई, ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और बताया कि कार्यशाला प्रभावशाली सिद्ध होगी और हिंदी में आधिकारिक कार्यों को पूरा करने में उपयोगी होगी। डॉ पीके दासगुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक, तथा डॉ एचएस पांडा, वैज्ञानिक 'जी' एवं अवर निदेशक, ने समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए।



हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 28 अगस्त 2024 को 'हिंदी हास्य व्यंग्य, देशभक्ति, समकालीन और प्रासंगिक कविताएँ' विषय पर हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में नराकास, अंबरनाथ (TOLIC अंबरनाथ), के विभिन्न सदस्य कार्यालयों से लगभग 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

PMSHRI केंद्रीय विद्यालय, अंबरनाथ, के प्राचार्य श्री मुकेश कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं



निदेशक, एनएमआरएल, ने कार्यक्रम विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता के

उच्च योग्यता अर्जन

श्री बेदब्रत सान्याल, वैज्ञानिक 'एफ', उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटीएम), चेन्नई, तमिलनाडु, द्वारा 'डेवलपमेंट ऑफ फार्मूलेशन एंड प्रोसेसेज फॉर फुल स्केल इन्वेलुसिव ऑफ नैनो-एल्युमीनियम इन इंडस्ट्रियल ग्रेड सॉलिड राकेट प्रोपेलेंट्स' शीर्षक पर उनकी थीसिस के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।



पेटेंट प्रदत्त

भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा 'पावर मैनेजमेंट यूनिट फॉर ए सेंसर नोड' के लिए पेटेंट संख्या 543815 नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के आविष्कारकों श्री मदेम श्रीनिवास राव, श्री मद्दुकुरी श्रीनाथ और श्री रामसिंगु वेंकट किरण कुमार को प्रदान की गई है।

सामाजिक गतिविधियाँ

केयर में नशा मुक्त भारत अभियान

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर) बंगलुरु, ने 12 अगस्त 2024 को नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA) का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में जागरूकता फैलाना और नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना है।

इस अभियान के दौरान, केयर के अधिकारियों और कर्मचारियों की

मौजूदगी में डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर, द्वारा मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए शपथ दिलाई गई।



डीएमएसआरडीई में नशा मुक्त भारत अभियान

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 12 अगस्त 2024 को नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) मनाया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने डीएमएसआरडीई के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई। इसके अलावा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ई-शपथ भी ली और प्रमाण पत्र डाउनलोड किए। कार्यक्रम का समन्वयन श्री अमित सैरैया, वैज्ञानिक 'एफ' ने किया।



एनएमआरएल में नशा मुक्त भारत अभियान

एनएमआरएल कर्मचारियों ने नशा मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत 12 अगस्त 2024 को शपथ ली। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी की ओर सबका ध्यान खींचा, इस उद्देश्य के प्रति समर्पण और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, नशीली दवाओं से परहेज करने, और स्वस्थ वातावरण का समर्थन करने के लिए डिजाइन किए गए शैक्षिक वार्ता और संवादात्मक सत्र भी शामिल किये गए।



कोच्चि, द्वारा 'जीवनशैली विकारों के लिए आयुर्वेद' पर एक आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया गया।

श्री टिंटो चाको, तकनिशियन 'बी', सचिव, वर्क्स कमेटी, ने सभा का स्वागत किया और वक्ता का परिचय दिया। इस व्याख्यान में 'दिनचर्या'

और स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ भोजन आदतों को अपनाने के महत्व की विस्तृत व्याख्या की गई। उन्होंने विभिन्न जीवनशैली रोगों का विस्तृत विवरण दिया। अपने संबोधन में, डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक, एनपीओएल, ने आयुर्वेद के

एनपीओएल में आयुर्वेद पर आमंत्रित वार्ता

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 13 अगस्त 2024 को डॉ जयन डी, प्रोफेसर, सरकारी आयुर्वेद कॉलेज त्रिपुनिथुरा,



महत्व और गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री वीएस शेनॉय, निदेशक, (एस एंड टी) एवं अध्यक्ष एनपीओएल वर्क्स कमेटी, ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के संचालन का समन्वयन किया।

एनएमआरएल में राष्ट्रीय अंगदान दिवस

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा डीआरडीओ मुख्यालय के निर्देशों का पालन करते हुए 3 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया। सर्जन लेफ्टिनेंट आदर्श रवि ने अंगदान जागरूकता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।



उन्होंने अंगदान की आवश्यकता, अंगों की तीव्र कमी और अंगदान की जीवन रक्षक क्षमता पर बल दिया।

इस व्याख्यान ने एनएमआरएल कर्मचारियों और छात्रों सहित दर्शकों

का भी ध्यान आकर्षित किया। व्याख्यान के बाद एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिस दौरान उपस्थित लोगों ने सर्जन लेफ्टिनेंट आदर्श रवि के साथ गहन चर्चा की।

डीआरडीओ राष्ट्रीय कैरम प्रतियोगिता

उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे, ने 31 जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक डीआरडीओ राष्ट्रीय कैरम प्रतियोगिता की मेजबानी की। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ एपी दाश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एचईएमआरएल,

ने किया। प्रतियोगिता में चार जोन की टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें कुल 120 मैच खेले गए।

डीआरडीओ स्पोर्ट्स बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार टीम चैंपियनशिप प्रारूप में पहली बार महिलाओं की भी भागीदारी शामिल की

गई।

सेंट्रल जोन ने विजेता का स्थान हासिल किया और वेस्ट जोन प्रतियोगिता में उपविजेता रही।

डॉ एपी दाश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एचईएमआरएल, ने विजेताओं को उनके सक्रिय प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

इससे पहले प्रयोगशाला ने 16-19 जुलाई 2024 के दौरान डीआरडीओ वेस्ट जोन कैरम प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

डीआरडीओ वेस्ट जोन प्रयोगशालाओं की छह टीमों ने प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया। एचईएमआरएल टीम ने विजेता का स्थान हासिल किया और एआरडीई, पुणे, उपविजेता रही।



एनएमआरएल में अंतर-क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 12-14 अगस्त 2024 के दौरान डीआरडीओ अंतर-क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने 12 अगस्त 2024 को प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में पश्चिमी क्षेत्र डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, अर्थात् एचईएमआरएल, एआरडीई, आरएंडडीई (ई), और एनएमआरएल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। महाराष्ट्र शतरंज संघ के तटस्थ रेफरीयों ने इस प्रतियोगिता में पुरुष, महिला एकल, और टीम चैंपियनशिप प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।

14 अगस्त 2024 को समापन समारोह में, निदेशक, एनएमआरएल ने



एआरडीई, पुणे, को 'विजेता चैंपियन ट्रॉफी' और एनएमआरएल अंबरनाथ को 'उपविजेता ट्रॉफी' प्रदान की। व्यक्तिगत

श्रेणी के विजेताओं और उपविजेताओं को प्रमाण पत्र और पदक भी वितरित किए गए।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

केयर, बेंगलुरु

एमपीआईडीएसए के महानिदेशक सुजान आर चिर्नॉय और उनकी टीम ने 14 अगस्त 2024 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, का दौरा किया। डॉ रितुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर, द्वारा ब्रीफिंग की गई, जिसके बाद इंटेलिजेंट सिस्टम और रोबोटिक्स, सूचना और संचार सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

डिपास, दिल्ली

मेजर जनरल आशीष रमेश सिरसीकर, वीएसएम, एडीजीएसटी (एसएम), ने 28 अगस्त 2024 को रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) का दौरा किया। डिपास के निदेशक द्वारा प्रयोगशाला की विभिन्न



उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गयी।

डॉ एस सारदा सूर्यकुमारी, वैज्ञानिक 'एफ' ने उच्च और अत्यधिक ऊंचाई पर तैनात सैनिकों के प्रदर्शन को बढ़ाने वाले

क्वेरसेटिन-आधारित न्यूट्रास्युटिकल्स पर किए गए हाल के अध्ययनों पर एक प्रस्तुति दी। परिणाम आशाजनक हैं, और इस उत्पाद को उच्च ऊंचाई पर विशेष राशन में पेश किए जाने



की संभावना है। जनरल सिरसीकर ने पोषण प्रयोगशाला में विश्लेषणात्मक सुविधाओं का दौरा किया और सैन्य पोषण में डिपास की भूमिका और पिछले 6 दशकों में डीजीएसटी और क्यूएमजी की रक्षा मंत्रालय की एकीकृत स्वास्थ्य शाखा को प्रदत्त समर्थन की सराहना की। उन्होंने सैनिकों की पोषण स्थिति और चरम वातावरण के स्वास्थ्य पर प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए

दीर्घकालिक अनुवर्ती अध्ययन करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की और संभावनाओं का पता लगाया।

डीआईपीआर, दिल्ली

लेफ्टिनेंट जनरल अनूप सिंघल, एवीएसएम, एसएम, महानिदेशक, भर्ती, भारतीय सेना ने 6 सितंबर 2024 को एक परिचयात्मक दौरे के रूप में रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान

(डीआईपीआर), दिल्ली, का दौरा किया। उनके साथ मेजर जनरल जुबिन भटनागर, वीएसएम, एडीजी, भर्ती, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

डॉ यू के सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), ने गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की, दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि का आदान-प्रदान किया। डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और प्रयोगशाला से जुड़ी विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। दौरे और बातचीत के दौरान डीआईपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और सेवा अधिकारी भी मौजूद थे।

डीएलआरएल, हैदराबाद

● 22 अगस्त 2024 को नौसेना वैमानिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि,



के 13 अधिकारी कैडेटों के एक बैच ने औद्योगिक दौरे के हिस्से के रूप में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, का दौरा किया। अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) और तीनों सेनाओं को विभिन्न उन्नत ईडब्ल्यू सिस्टम की आपूर्ति करने में डीएलआरएल की भूमिका का व्यापक अवलोकन प्राप्त हुआ। श्रीमती अनन्या मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ', ने भारतीय नौसेना को प्रदत्त विभिन्न प्लेटफार्मों के लिए डिजाइन, विकसित, और वितरित किए गए ईडब्ल्यू सिस्टम और प्रत्येक सिस्टम में शामिल प्रौद्योगिकी जटिलताओं पर एक प्रस्तुति दी। नौसेना परियोजना निदेशक, श्री तपस कुमार हाजरा, वैज्ञानिक 'जी' सहित अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में सत्र संवादात्मक रहा। श्री पी प्रवीण कुमार, तकनीकी अधिकारी 'बी' ने इस दौरे का समन्वयन किया।

● भारतीय नौसेना के 33 अधिकारियों और चार भारतीय तटीय रक्षक (ICG) अधिकारियों की एक टीम ने अपने लॉन्ग गनरी कोर्स (भारतीय) के हिस्से



के रूप में अपने निर्देशन कर्मचारियों के साथ 28 अगस्त, 2024 को आईएनएस द्रोणाचार्य, कोच्चि, में डीएलआरएल का दौरा किया। डीएलआरएल ने नौसेना इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के क्षेत्र में काम कर रहे वैज्ञानिकों के साथ गहन और सघन बातचीत के लिए, राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध, चुस्त, चौकस, और बेदाग पोशाक धारण किये हुए उन अधिकारियों का स्वागत किया।

श्री तपस कुमार हाजरा, वैज्ञानिक 'जी', एडी (नौसेना परियोजनाएं), तथा श्री सरदार भूपेंद्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी', ने भारतीय नौसेना को विभिन्न प्रकार के जहाजों और पनडुब्बियों के लिए अनुकूलित ईडब्ल्यू प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों पर प्रस्तुतियाँ दीं। बाद में, नौसेना अधिकारियों ने श्री आर आनंद, वैज्ञानिक 'जी', एडी रडार (ईसीएम), श्री के राधा कृष्ण, वैज्ञानिक 'एफ',



श्री पी नवीन कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', और श्री वीआरसी प्रसाद, वैज्ञानिक 'एफ' के साथ विचार-विमर्श किया।

बाद में श्री भुनरेश लखारा, टीओ 'ए', ने आगंतुकों को डीएलआरएल में ईएमआई/ईएमसी परीक्षण सुविधा का दौरा कराया।

एचईएमआरएल, पुणे

रियर एडमिरल रूपक बरुआ, महानिदेशक, एनएआई, ने 22 अगस्त 2024 को पुणे स्थित उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), का दौरा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने एचईएम-एनएम के सामने नौसेना फ्लेयर्स, प्रणोदक, इग्नाइटर, और पायरो कारतूस विकसित करने, 500 किलोग्राम वर्ग के सामान्य प्रयोजन बम के लिए असंवेदनशील युद्ध सामग्री (आईएम) तकनीक विकसित करने और नौसेना के वारहेड्स के लिए स्वदेशी असंवेदनशील युद्ध सामग्री (आईएम) विकसित करने पर अपने कार्य को प्रस्तुत किया।

उन्होंने प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और भारतीय नौसेना परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एचईएमआरएल के फ्लेयर स्मोक एंड डिले (एफएसएडडी)



समूह का दौरा भी किया।

नवल फ्लेयर्स और अन्य विविध नौसेना प्रणालियों पर किए गए कार्य ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। उन्होंने भारतीय नौसेना के प्रति एचईएमआरएल के योगदान की प्रशंसा भी की।

एनपीओएल, कोच्चि

14 अगस्त, 2024 को, वीएडीएम वी श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, प्लेग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि, ने नौसेना

भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, का दौरा किया। डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल, ने वीएडीएम वी श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम का स्वागत किया और उन्हें चल रही परियोजना गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संबंधित परियोजना टीमों ने चल रही परियोजनाओं के बारे में उन्हें संक्षिप्त जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने एनपीओएल की प्रणाली परियोजनाओं और सुविधाओं का भी दौरा किया।

